International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 16-05-2020; Accepted: 30-05-2020; Published: 18-06-2020
www.socialsciencejournal.in
Volume 6; Issue 3; 2020; Page No. 129-135

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कोरोना संकट के दौरान लिए फैसलों, बातचीत तथा रणनीतियों का विश्लेषण

Sanjay Kumar

Assistant Professor, Department of Political Science, Zakir Husain Delhi College Evening, University of Delhi, Delhi, India

सारांश:
इस लेख में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा कोरोना संकट के बाद की गई महत्वपूर्ण फैसलों, भाषणों तथा रणनीतियों का विश्लेषण किया गया है। अभी तक तीन लोकडाउन की घोषणा सरकार के द्वारा की जा चुकी है। प्रधानमंत्री के द्वारा राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों के साथ लगातार संपर्क बनाते हुए उनसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा बातचीत करके ही सारे फैसले लिए जा रहे हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री के द्वारा दुनिया भर के राष्ट्रपति तथा प्राइम मिनिस्टर के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा की गई है। इसमें अमेरिका, रुस, ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण देश शामिल है। भारत के प्रधानमंत्री ने इस दौरान विश्व मंच पर जी-20 की मीटिंग तथा पड़ोसी देशों के सार्क संगठन के साथ बातचीत करके कोरोना संकट में भारत की भागीदारी को विश्व मंच पर स्थापित करने का भरपूर प्रयास प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री के द्वारा संकट से निपटने के लिए विभिन्न प्रकार के आर्थिक पैकेज तथा राहत कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। कोरोना संकट में लगे हुए डॉक्टर, सफाई कर्मचारी, पुलिस बल, सेना बल तथा आपातकालीन सेवाओं में लगे हुए कोरोना योद्धाओं के लिए सरकार ने आभार जताने के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। इस लेख में प्रधानमंत्री के भाषणों, फैसलों, बातचीत को प्रधानमंत्री ऑफिस की वेबसाइट से संकलित किया गया है।

मुख्य शब्द: प्रधानमंत्री, कोरोना, रणनीतियों, संकट

प्रस्तावना

दुनिया भर में छाए हुए कोरोना महामारी के दौरान भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा फरवरी अंत या मार्च के प्रथम सप्ताह से ही इस महामारी से लड़ने हेतु अपनी तैयारियों को जोर-शोर से करना शुरू कर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी जी के स्तर पर अपनी प्रशासनिक क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया गया है। महामारी से लड़ने के लिए कई प्रकार के टास्क फोर्स का गठन किया गया है। देश के सभी राज्यों के साथ तालमेल बनाने हेतु लगातार मुख्यमंत्रियों के साथ संपर्क करना,प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संपर्क करना, देश के पंचायत सरपंच के साथ संपर्क करना तथा दूसरे देशों के प्रधानमंत्रियों तथा राष्ट्रपतियों के साथ वार्तालाप करके आपसी सहयोग तथा मदद की नीति पर चलते हुए उनके साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लगातार संपर्क बनाए हुआ है। इसी कड़ी में पिछले पांच सालों से सार्क संगठन में पड़ी सुस्त रफ़्तार को तेज करने तथा आपसी संबंध को अच्छा बनाने हेतु सार्क देशों के शासन अध्यक्षों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करके पड़ोसी देशों के साथ इस संकटकाल में बातचीत का नया मार्ग खोलने का प्रयास मोदी जी के द्वारा किया गया है। देश के सभी देशवासियों में कोरोना महामारी से लड़ने हेतु उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए समय-समय पर राष्ट्र के नाम संबोधन करके प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से सीधा संपर्क स्थापित किया है। इस महामारी में जमीनी स्तर पर काम करने वाले डॉक्टर, पुलिसकर्मी, सफाई कर्मचारी तथा इमरजेंसी सेवाओं में लगे हुए नागरिकों के लिए धन्यवाद करने हेतु भी देश की सारी जनता से अपील करते हुए एक दिन उनके लिए ताली बजाने का कार्यक्रम आयोजित किया, इस कार्यक्रम को भी देश के सभी नागरिकों ने पूरे मन से धन्यवाद करने हेतु पुर्ण रूप से सफल बनाया।

सरकार के द्वारा सही समय पर उठाएं प्रशासनिक कदमों के कारण देश में लोकडाउन 20 मार्च से संपूर्ण देश में लागू किया गया है। संपूर्ण लोकडाउन से देश में कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना वर्तमान में करना पड़ रहा है पूरे देश में औद्योगिक इकाइयां तथा अर्थव्यवस्था के बंद होने के कारण देश में लोगों की आय पर प्रभाव पड़ा है सरकार इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए उद्योगों के लिए आर्थिक पैकेज, गरीब व्यक्तियों के लिए उनके अकाउंट में सीधा सहायता पहुंचाने का कार्य करना, इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं । इस लेख में मार्च से 28 अप्रैल तक के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन, विदेशी शासन अध्यक्षों के साथ वार्तालाप, राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ की गई बातचीत तथा समय-समय पर उठाएं गए प्रशासनिक कदमों के भाषणों का अंश दिया गया है । इन सभी भाषणों के अंशों को प्राइम मिनिस्टर ऑफिस की वेबसाइट से लिया गया है। प्रधानमंत्री के इन भाषण से हम समझ सकते हैं कि सरकार के द्वारा किस प्रकार के कदमों को उठाया जा रहा है जिससे इस महामारी को देश से जल्दी जल्दी खत्म किया जा सके।

1. प्रधानमंत्री ने कोरोनावायरस से निपटने की तैयारी का जायजा लिया 3 मार्च 2020

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 कोरोनावायरस से निपटने की तैयारी का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "कोविड-19 कोरोनावायरस के मद्देनजर तैयारी की गहन समीक्षा की। भारत आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग से लेकर तुरंत चिकित्सा प्रदान करने तक की समस्त गतिविधियों के लिए विभिन्न मंत्रालय मिलकर काम कर रहे हैं। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हमें साथ मिलकर काम करने और आत्मसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उपाय करने की जरूरत है।" (pm india.gov.on --speeches)

2. प्रधानमंत्री और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री बोरिस जॉनसन के बीच टेलीफोन पर वार्ता

12 मार्च 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री बोरिस जॉनसन के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। दोनों राजनेताओं ने नए दशक में भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने तर्क दिया कि इस उद्देश्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करना उपयोगी होगा।

दोनों राजनेताओं ने भारत और ब्रिटेन के बीच जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विशेषकर आपदारोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) के संदर्भ में आपसी सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष आयोजित होने वाले कॉप-26, ग्लासगो में शामिल होने के आमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री जॉनसन को धन्यवाद दिया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने कोविड-19 महामारी पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री सुश्री नदीन डोरिज के कोरोना वायरस से पीड़ित होने पर चिंता व्यक्त की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री जॉनसन को भारत आने के लिए आमंत्रित किया। (pm india.gov.on --speeches)

3. प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सार्क देशों से एक मजबूत रणनीति बनाने का आह्वान किया 13 Mar, 2020

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सार्क देशों से एक मजबूत रणनीति बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इन रणनीतियों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये विचार-विमर्श किया जा सकता है और आपस में एकजुट होकर सार्क देश दुनिया के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर सकते हैं एवं स्वस्थ धरती सुनिश्चित करने में बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने कई ट्वीट में कहा है कि दक्षिण एशिया में ही वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है, अत: दक्षिण एशिया के देशों को अपने यहां रहने वाले लोगों का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से कोई भी कसर नहीं छोड़नी चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार कोरोना वायरस (कोविड-19) से लड़ने के लिए विभिन स्तरों पर अपनी ओर से अथक कोशिश कर रही है।(pm india.gov.on --speeches)

4. कोविड-19 का मुकाबला करने पर सार्क नेताओं की वीडियो कॉन्फ्रेंस 15 मार्च 2020

हम सभी सहमत हैं कि इस तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए एक साझा रणनीति तैयार करनी बहुत ज़रूरी है। और हम सब सहकारी उपायों को खोजने को लेकर सहमत हुए। हम ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं, क्षमताओं और जहां तक संभव हो अपने संसाधनों को भी साझा करेंगे। कुछ साझेदारों ने खास अनुरोध किए हैं, जिनमें दवा और उपकरण भी शामिल हैं। मेरी टीम ने सावधानी से इस पर गौर किया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम अपने पड़ोसियों के लिए पूरी कोशिश करेंगे। आइए, हम अपने अधिकारियों से कहें कि वे भागीदारी और एक साथ काम करने की भावना के अंतर्गत एक दूसरे से घनिष्ठ संपर्क बनाए रखें और एक आम रणनीति विकसित करें। आइए हम अपने हरेक देश से नोडल विशेषज्ञों की पहचान करें और वे आज से एक सप्ताह बाद इसी तरह की वीडियो-कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं, ताकि हमारी आज की चर्चाओं पर अमल कर सकें।

मोदी जी ने कहा कि "हमें यह लड़ाई एक साथ लड़नी है और हमें इसे एक साथ जीतना है। हमारा पड़ोसी सहयोग दुनिया के लिए एक आदर्श होना चाहिए। अंत में मैं हमारे सभी नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं और इस क्षेत्र में इस महामारी से निपटने के हमारे संयुक्त प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं"।(pm india.gov.on --speeches)

5. प्रधानमंत्री का कोरोना वायरस महामारी से सम्बंधित देश को संबोधन 19 Mar, 2020

ऐसी स्थिति में,जब इस बीमारी की कोई दवा नहीं है,तो हमारा खुद का स्वस्थ बने रहना बहुत आवश्यक है।इस बीमारी से बचने और खुद के स्वस्थ बने रहने के लिए अनिवार्य है संयम। और संयम का तरीका क्या है- भीड़ से बचना, घर से बाहर निकलने से बचना।आजकल जिसे सोशल डिस्टनसिंग कहा जा रहा है, कोरोना वैश्विक महामारी के इस दौर में, ये बहुत ज्यादा आवश्यक है। हमारा संकल्प और संयम, इस वैश्विक महामारी के प्रभावों को कम करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाला है। और इसलिए, अगर आपको लगता है कि आप ठीक हैं,आपको कुछ नहीं होगा, आप ऐसे ही मार्केट में घूमते रहेंगे,सड़कों पर जाते रहेंगे,और कोरोना से बचे रहेंगे, तो ये सोच सही नहीं है। ऐसा करके आप अपने साथ और अपने परिवार के साथ अन्याय करेंगे।इसलिए मेरा सभी देशवासियों से ये आग्रह है कि आने वाले कुछ सप्ताह तक, जब बहुत जरूरी हो तभी अपने घर से बाहर निकलें।

जितना संभव हो सके,आप अपना काम,चाहे बिजनेस से जुड़ा हो,ऑफिस से जुड़ा हो,अपने घर से ही करें। जो सरकारी सेवाओं में हैं, अस्पताल से जुड़े हैं,जन-प्रतिनिधि हैं, जो मीडिया कर्मी हैं,इनकी सक्रियता तो आवश्यक है लेकिन समाज के बाकी सभीलोगों को,खुद को बाकी समाज से अलग कर लेना चाहिए। मेरा एक और आग्रह है कि हमारे परिवार में जो भी सीनियर सिटिजन्स हों,65 वर्ष की आयु के ऊपर के व्यक्ति हों, वो आने वाले कुछ सप्ताह तक घर से बाहर न निकलें। आज की पीढ़ी इससे बहुत परिचित नहीं होगी,लेकिन पुराने समय में जब युद्ध की स्थिति होती थी, तो गाँव गाँव में ब्लैक आउट किया जाता था। घरों के शीशों पर कागज़ लगाया जाता था, लाईटबंद कर दी जाती थी, लोग चौकी बनाकर पहरा देते थे | ये कभी-कभी काफी लंबे समय तक चलता था। युद्ध ना भी हो तो भी बहुत सी जागरूक नगरपालिकाएं ब्लैक आउट की ड्रिल भी कराती थी।

साथियों, मैं आज प्रत्येक देशवासी से एक और समर्थन मांग रहा हूंये है जनता-कर्फ्यू। जनता कर्फ्यू यानि जनता के लिए,जनता द्वारा खुद पर लगाया गया कर्फ्यू। इस रविवार, 22 मार्च को, सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक, सभी देशवासियों को,जनता-कर्फ्यू का पालन करना है। इस दौरान हम न घरों से बाहर निकलेंगे, न सड़क पर जाएंगे, न मोहल्ले में कहीं जाएंगे। सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग ही 22 मार्च को अपने घरों से बाहर निकलेंगे। 22 मार्च को हमारा ये प्रयास, हमारे आत्म-संयम,देशहित में कर्तव्य पालन के संकल्प का एक प्रतीक होगा। 22 मार्च को जनता-कर्फ्यू की सफलता, इसके अनुभव, हमें आने वाली चुनौतियों के लिए भी तैयार करेंगे।

मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह करूंगा कि वो जनता-कर्फ्यू का पालन कराने का नेतृत्व करें। एनसीसी एनएसएस,से जुड़े युवाओं,देश के हर युवा,सिविल सोसायटी,हर प्रकार के संगठन,इन सभी से भी अनुरोध करूंगा कि अभी से लेकर अगले दो दिन तक सभी कोजनता-कर्फ्यूके बारे में जागरूक करें।

संभव हो तो हर व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 10 लोगों को फोन करके कोरोना वायरस से बचाव के उपायों के साथ ही जनता-कर्फ्यू के बारे में भी बताए। साथियों, ये जनता कर्फ्यू एक प्रकार से हमारे लिए, भारत के लिए एक कसौटी की तरह होगा।

ये कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए भारत कितना तैयार है, ये देखने और परखने का भी समय है। आपके इन प्रयासों के बीच, जनता-कर्फ्यू के दिन, 22 मार्च को मैं आपसे एक और सहयोग चाहता हूं। (pm india.gov.on --speeches)

6. प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति ने टेलीफोन पर बातचीत की 25 Mar, 2020

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ने आज टेलीफोन पर कोविड - 19 महामारी के संदर्भ में वैश्विक स्थिति पर चर्चा की।

प्रधान मंत्री ने रूस में कोरोना से पीड़ित सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि इस बीमारी से लड़ने के लिए राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस के प्रयास सफल होंगे।

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री को कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए करने के लिए भारत में अपनाए गए उपायों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, चिकित्सा, वैज्ञानिक अनुसंधान, मानवीय मामलों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डालने वाले इस प्रमुख वैश्विक संकट से निबटने के लिए आगे के परामर्श और सहयोग पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कोविड के खिलाफ सबको एकजुट करने के लिए जी बीस समूह द्वारा तय फ्रेमवर्क के तहत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर भी बल दिया।(pm india.gov.on --speeches)

7. कोरोनावायरस के खतरे को लेकर वाराणसी के लोगों के साथ हुए प्रधानमंत्री का संवाद 25 Mar, 2020

आज देश जिस संकट के दौर से गुजर रहा है, उसमें हम सभी को मां शैलसुते के आशीर्वाद की बहुत आवश्यकता है। मेरी मां शैलपुत्री से प्रार्थना है, कामना है

कोरोना महामारी के विरुद्ध जो युद्ध देश ने छेड़ा है, उसमें हिन्दुस्तान को, एक सौ तीस करोड़ देशवासियों को विजय प्राप्त हो। काशी का सांसद होने के नाते मुझे, ऐसे समय में आपके बीच होना चाहिए था। लेकिन आप यहां दिल्ली में जो गतिविधियां हो रही हैं, उससे भी परिचित हैं। यहां की व्यस्तता के बावजूद, मैं वाराणसी के बारे में निरंतर अपने साथियों से अपडेट ले रहा हूं। साथियों, याद कीजिए, महाभारत का युद्ध 18 दिन में जीता गया था। आज कोरोना के खिलाफ जो युद्ध पूरा देश लड़ रहा है, उसमें 21 दिन लगने वाले हैं। हमारा प्रयास है इसे 21 दिन में जीत लिया जाए। महाभारत के युद्ध के समय भगवान श्री कृष्ण महारथी थे, सारथी थे। आज 130 करोड़ महारथियों के बलबूते पर, हमें कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई को जीतना है। इसमें काशी वासियों की भी बहुत बड़ी भूमिका है।
काशी के बारे में कहा गया है-

> मुक्ति जन्म महि जानि, ज्ञान खानि अघ हानि कर।
> जहां बस संभु भवानि, सो कासी सेइअ कस न?
> अर्थात, ये ज्ञान की खान है, पाप और संकट का नाश करने वाली है।
> संकट की इस घड़ी में, काशी सबका मार्गदर्शन कर सकती है, सबके लिए उदाहरण प्रस्तुत कर सकती है।

काशी का अनुभव शाश्वत, सनातन, समयातीत है। और इसलिए, आज लॉकडाउन की परिस्थिति में काशी देश को सिखा सकती है- संयम, समन्वय और संवेदनशीलता। काशी देश को सिखा सकती है- सहयोग, शांति, सहनशीलता। काशी देश को सिखा सकती है- साधना, सेवा, समाधान। (pm india.gov.on --speeches)

8. जी20 नेताओं का असाधारण वर्चुअल शिखर सम्मेलन 26 मार्च 2020

'कोविड-19 महामारी के प्रकोप से पैदा हुई चुनौतियों और एक वैश्विक समन्वित कदम पर चर्चा के लिए 26 मार्च 2020 को एक असाधारण वर्चुअल जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। इससे पहले प्रधानमंत्री ने इसी विषय पर सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ टेलिफोन पर बातचीत की थी। कोविड-19 महामारी पर असाधारण जी20 सम्मेलन वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नरों की बैठक और जी20 शेरपा मीटिंग की परिणति थी।
बैठक के दौरान, जी20 के नेताओं ने महामारी को रोकने और लोगों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करने पर सहमति जताई। उन्होंने चिकित्सा आपूर्तियों की पहुंच, डायग्नोस्टिक उपकरण, इलाज, दवाएं और टीके समेत महामारी के खिलाफ लड़ाई में डब्लूएचओ के अधिकार को और मजबूत करने का समर्थन किया।
नेताओं ने महामारी से आर्थिक और सामाजिक नुकसान को कम करने और वैश्विक विकास, बाजार की स्थिरता और संकट से उबरने की क्षमता को मजबूत करने के लिए उपलब्ध सभी नीतिगत साधनों के इस्तेमाल पर भी प्रतिबद्धता जताई। कोविड-19 के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए जी20 देशों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा देने पर प्रतिबद्धता जताई। स्वैच्छिक आधार पर नेता डब्लूएचओ के नेतृत्व वाले कोविड-19 एकजुटता प्रतिक्रिया कोष में योगदान देने पर भी सहमत हुए।
जी20 का यह असाधारण सत्र आयोजित करने के लिए प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के किंग का शुक्रिया अदा किया। अपने संबोधन में पीएम ने महामारी से खतरनाक सामाजिक और आर्थिक नुकसान का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि जी20 देशों की वैश्विक जीडीपी में 80 फीसदी और दुनिया की आबादी में 60 फीसदी हिस्सेदारी है और कोविड-19 के 90 फीसदी मामले और 88 फीसदी मौतें जी20 देशों में ही हुई हैं। उन्होंने वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए जी20 से एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया।(pm india.gov.on --speeches)

9. मन की बात 2.0' की 10वीं कड़ी में प्रधानमंत्री के सम्बोधन 29 मार्च 2020

आमतौर पर 'मन की बात', उसमें मैं कई विषयों को ले करके आता हूँ | लेकिन आज, देश और दुनिया के मन में सिर्फ और सिर्फ एक ही बात है- 'कोरोना वैश्विक महामारी' से आया हुआ ये भयंकर संकट | ऐसे में, मैं और कुछ बातें करूं वो उचित नहीं होगा | लेकिन सबसे पहले मैं सभी देशवासियों से क्षमा माँगता हूँ | और मेरी आत्मा कहती है कि आप मुझे जरुर क्षमा करेंगें क्योंकि कुछ ऐसे निर्णय लेने पड़े हैं जिसकी वजह से आपको कई तरह की कठिनाइयाँ उठानी पड़ रही हैं, खास करके मेरे गरीब भाई-बहनों को देखता हूँ तो जरुर लगता है कि उनको लगता होगा की ऐसा कैसा प्रधानमंत्री है, हमें इस मुसीबत में डाल दिया | उनसे भी मैं विशेष रूप से क्षमा मांगता हूँ | हो सकता है, बहुत से लोग मुझसे नाराज भी होंगे कि ऐसे कैसे सबको घर में बंद कर रखा है | मैं आपकी दिक्कतें समझता हूँ, आपकी परेशानी भी समझता हूँ लेकिन भारत जैसे 130 करोड़ की आबादी वाले देश को, कोरोना के खिलाफ़ लड़ाई के लिए, ये कदम उठाये बिना कोई रास्ता नहीं था | कोरोना के खिलाफ़ लड़ाई, जीवन और मृत्य के बीच की लड़ाई है और इस लड़ाई में हमें जीतना है और इसीलिए ये कठोर कदम उठाने बहुत आवश्यक थे | किसी का मन नहीं करता है ऐसे कदमों के लिए लेकिन दुनिया के हालात देखने के बाद लगता है कि यही एक रास्ता बचा है | आपको, आपके परिवार को सुरक्षित रखना है | मैं फिर एक बार, आपको जो भी असुविधा हुई है, कठिनाई हुई है, इसके लिए क्षमा मांगता हूँ | साथियों, हमारे यहाँ कहा गया है – 'एवं एवं विकारः, अपी तरुन्हा साध्यते सुखं' यानि बीमारी और उसके प्रकोप से शुरुआत में ही निबटना चाहिए | बाद में रोग असाध्य हो जाते हैं तब इलाज भी मुश्किल हो जाता है | और आज पूरा हिंदुस्तान, हर हिन्दुस्तानी यही कर रहा है. भाइयों,बहनों, माताओं, बुजर्गों कोरोना वायरस ने दुनिया को क़ैद कर दिया है | ये ज्ञान, विज्ञान, गरीब, संपन्न, कमज़ोर, ताक़तवर हर किसी को चुनौती दे रहा है | ये ना तो राष्ट्र की सीमाओं में बंधा है, न ही ये कोई क्षेत्र देखता है और न ही कोई मौसम | ये वायरस इंसान को मारने पर, उसे समाप्त करने की जिद उठाकर बैठा है और इसीलिए सभी लोगों को, पूरी मानवजाति को इस वायरस के ख़त्म करने के लिए, एकजुट होकर संकल्प लेना ही होगा | कुछ लोगों को लगता है कि वो लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं तो ऐसा करके वो मानो जैसे दूसरों की मदद कर रहे हैं | अरे भाई, ये भ्रम पालना सही नहीं है | ये लॉकडाउन आपके खुद के बचने के लिए है | आपको अपने को बचाना है, अपने परिवार को बचाना है | अभी आपको आने वाले कई दिनों तक इसी तरह धैर्य दिखाना ही है, लक्ष्मण-रेखा का पालन करना ही है। साथियों, मैं यह भी जानता हूँ कि कोई कानून नहीं तोड़ना चाहता, नियम नहीं तोड़ना चाहता लेकिन कुछ लोग ऐसा कर रहे हैं क्योंकि अब भी वो स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं | ऐसे लोगों को यही कहूँगा कि लॉकडाउन का नियम तोड़ेंगे तो कोरोना वायरस से बचना मुश्किल हो जायेगा | दुनिया भर में बहुत से लोगों को कुछ इसी तरह की खुशफ़हमी थी | आज ये सब पछता रहे हैं | साथियों, हमारे यहाँ कहा गया है – 'आर्योग्यम परं भागय्म स्वास्थ्यं सर्वार्थ साधनं' यानि आरोग्य ही सबसे बड़ा भाग्य है | दुनिया में सभी सुख का साधन, स्वास्थ्य ही है| ऐसे में नियम तोड़ने वाले अपने जीवन के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं | साथियों, इस लड़ाई के अनेकों योद्धा ऐसे हैं जो घरों में नहीं, घरों के बाहर रहकर कोरोना वायरस का मुकाबला कर रहे हैं | जो हमारे फ्रंट लाइन सैनिक हैं। ख़ासकर के हमारी नर्सेज बहनें हैं, नर्सेज का काम करने वाले भाई हैं, डॉक्टर हैं, मेडिकल स्टाफ पर हैं | ऐसे साथी, जो कोरोना को पराजित कर चुके हैं | आज हमें उनसे प्रेरणा लेनी है | बीते दिनों में मैंने ऐसे कुछ लोगों से फ़ोन पर बात की है, उनका उत्साह भी बढ़ाया है और उनसे बातें करके मेरा भी उत्साह बढ़ा है।(pm india.gov.on --speeches)

10. देश मे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए नये फण्ड की घोषणा

28 मार्च 2020 को पीएम केयर फंड के नाम से प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा एक

ट्रस्ट का गठन किया गया है इसमें कम से कम 10 रुपये तक की धनराशि देश के नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं प्राइवेट और सरकारी कंपनियों ओर विदेशों से भी सहयोग ले सकते हैं । इस ट्रस्ट के चेयरमैन देश के प्रधानमंत्री तथा अन्य सदस्य भारत सरकार के गृह मंत्री, वित्त मंत्री रक्षा मंत्री को रखा गया है। प्रधानमंत्री के द्वारा तीन गणमान्य व्यक्तियों को इस फंड मे नॉमिनेट किया जाएगा ।

अच्छी बात यह है कि आप यूपीआई से भी इस कोष में डोनेट कर सकते हैं. इसके लिए भीम, फोनपे, अमेजन, पे, गूगल पे, पेटीएम, मोबिक्विकइत्यादि का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस फंड में दान दी गई राशि पर सेक्शन 80 (जी) के तहत टैक्स से छूट मिलेगी. भविष्य में भी यह फंड संकट की ऐसी ही स्थितियों से निपटने में मदद करेगा। इस रकम का इस्तेमाल मौजूदा संकट से निपटने में किया जाएगा। पीएम ने सभी लोगों से इस फंड में डोनेट करने की अपील की है। (pmcare.gov.in #About us)

11. प्रधानमंत्री ने 'कोविड-19' से निपटने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श किया, 02 Apr, 2020

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के सुझावों के साथ-साथ जमीनी स्थिति से अवगत कराने के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि युद्ध स्तर पर काम करना, वायरस के हॉटस्पॉट (ज्यादा संक्रमण वाले क्षेत्र) की पहचान करना एवं उन्हें घेरना या निर्दिष्टकरना और वायरस को फैलने से रोकना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना बिल्कुल उचित है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 ने हमारे विश्वास एवं धारणाओं पर हमला किया है और इसके साथ ही हमारे जीवन जीने के तरीके को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से राज्य, जिला, शहर एवं ब्लॉक स्तरों पर विभिन्न समुदायों के प्रमुखों एवं समाज कल्याण संगठनों से संपर्क करने की अपील की, ताकि महामारी के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक-दृष्टिकोण के आधार पर एकजुट मोर्चा बनाया जा सके।(pm india.gov.on --speeches)

12. प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम सम्बोधन 03 अप्रैल 2020

कोरोना वैश्विक महामारी के खिलाफ देशव्यापी लॉकडाउन को आज 9 दिन हो रहे हैं। इस दौरान आप सभी ने जिस प्रकार अनुशासन और सेवा भाव,दोनों का परिचय दिया है, वो अभूतपूर्व है। शासन, प्रशासन और जनता जनार्दन ने मिलकर स्थिति को अच्छे ढंग से सम्भालने का भरपूर प्रयास किया है। आपने जिस प्रकार, 22 मार्च को रविवार के दिन कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले हर किसी का धन्यवाद किया, वो भी आज सभी देशों के लिए एक मिसाल बन गया है।

आज कई देश इसको दोहरा रहे हैं। जनता कर्फ्यू हो, घंटी बजाने, ताली-थाली बजाने का कार्यक्रम हो, इन्होंने इस चुनौतिपूर्ण समय में देश को इसकी सामूहिक शक्ति का ऐहसास कराया। यह भाव प्रकट हुआ कि देश एक होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ सकता है। अब लॉकडाउन के समय में, देश की, आप सभी की ये सामूहिकता चरितार्थ होती नजर आ रही है।

मेरी एक और प्रार्थना है, कि इस आयोजन के समय किसी को भी, कहीं पर भी इकट्ठा नहीं होना है। रास्तों में, गलियों या मोहल्लों में नहीं जाना है, अपने घर के दरवाज़े, बालकनी से ही इसे करना है। सोशल डिस्टनसिंग की लक्ष्मण रेखा को कभी भी लांघना नहीं है। सोशल डिस्टनसिंग को किसी भी हालत में तोड़ना नहीं है। कोरोना की चेन तोड़ने का यही रामबाण इलाज है। इसलिए 5 अप्रैल को रात 9 बजे, कुछ पल अकेले बैठकर, माँ भारती का स्मरण कीजिए, 130 करोड़ देशवासियों के चहरो की कल्पना कीजिए, 130 करोड़ देशवासियों की इस सामूहिकता, इस महाशक्ति का ऐहसास करिए। ये हमें, संकट की इस घड़ी से लड़ने की ताकत देगा और जीतने का आत्मविश्वास भी।(pm india.gov.on --speeches)

13. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया 08 अप्रैल 2020

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन बदलती परिस्थितियों में देश को अपनी कार्य संस्कृति और कार्यशैली में बदलाव लाने के लिए एक साथ प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक व्यक्ति की जिंदगी को बचाना है। उन्होंने कहा कि देश कोविड-19 के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, और सरकार उनसे पार पाने के लिए प्रतिबद्ध है।भारत सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने 'पीएम गरीब कल्याण योजना' के तहत मिल रहे लाभों के वितरण की स्थिति सहित उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं।

राजनीतिक दलों के नेताओं ने बैठक के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया, उनके द्वारा समय पर किए गए आवश्यक उपायों की सराहना की और इसके साथ ही कहा कि पूरा देश संकट के समय उनके पीछे एकजुट खड़ा है। इन नेताओं ने स्वास्थ्य कर्मियों के स्वास्थ्य एवं मनोबल को बढ़ाने, परीक्षण सुविधाओं में तेजी लाने, छोटे राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करने की आवश्यकता और भूखा रहने एवं कुपोषण की चुनौतियों से निपटने के बारे में चर्चा की। इन नेताओं ने महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में देश की क्षमता बढ़ाने के लिए आर्थिक और अन्य नीतिगत उपाय करने के बारे में भी चर्चा की। इन नेताओं ने लॉकडाउन की समाप्ति पर इसे चरणबद्ध ढंग से हटाने और लॉकडाउन की समयसीमा बढ़ाने के बारे में सुझाव दिए।

प्रधानमंत्री ने रचनात्मक सुझाव और जानकारियां देने के लिए इन नेताओं का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लड़ाई में सरकार की सहायता करने की उनकी प्रतिबद्धता देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक नींव और सहकारी संघवाद की भावना की फिर से पुष्टि करती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और देश भर के राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस विचार-विमर्श में भाग लिया।(pm india.gov.on --speeches)

14. प्रधानमंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत 04 अप्रैल 2020

--प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने दुनिया में जारी कोविड-19 महामारी और वैश्विक स्वास्थ्य व अर्थव्यवस्था पर इसके असर पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने अमेरिका में हुई जन हानि पर गहरी संवेदना प्रकट की और इस बीमारी से जूझ रहे लोगों के जल्द से जल्द सुधार की कामना की। दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने इस वैश्विक संकट से मिलकर पार पाने में अमेरिका के साथ भारत की एकजुटता जाहिर की है। दोनों नेताओं ने कोविड-19 के खिलाफ पूरी क्षमताओं के साथ और प्रभावी लड़ाई में भारत व अमेरिका के मिलकर काम करने पर सहमति जाहिर की है।(pm india.gov.on --speeches)

15. कोविड-19 संक्रमण के खिलाफ राष्ट्र के संघर्ष में लॉकडाउन को लेकर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संदेश 14 अप्रैल 2020

हम धैर्य बनाकर रखेंगे, नियमों का पालन करेंगे तो कोरोना जैसी महामारी को भी परास्त कर पाएंगे। इसी विश्वास के साथ अंत में, मैं आज सात बातों में आपका साथ मांग रहा हूं।

पहली बात– अपने घर के बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें – विशेषकर ऐसे व्यक्ति जिन्हें पुरानी बीमारी हो, उनकी हमें अधिक सुरक्षा करनी है, उन्हें कोरोना से बहुत बचाकर रखना है।

दूसरी बात– लॉकडाउन और सोशल डिस्टनसिंग की लक्ष्मण रेखा का पूरी तरह पालन करें, घर में बने फेसकवर या मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

तीसरी बात– अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए, आयुष मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें, गर्म पानी, काढ़ा, इनका निरंतर सेवन करें।

चौथी बात– कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने में मदद करने के लिए आरोग्य सेतु मोबाइल ऐप्प जरूर डाउनलोड करें। दूसरों को भी इस ऐप्प को डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें।

पांचवी बात– जितना हो सके उतने गरीब परिवार की देखरेख करें, उनके भोजन की आवश्यकता पूरी करें,

छठी बात– आप अपने व्यवसाय, अपने उद्योग में अपने साथ काम करे लोगों के प्रति संवेदना रखें, किसी को नौकरी से न निकालें।

सातवीं बात– देश के कोरोना योद्धाओं, हमारे डॉक्टर- नर्सेस, सफाई कर्मी-पुलिसकर्मी का पूरा सम्मान करें। साथियों, इन साथ बातों में आपके साथ, यह सप्तपदी, विजय प्राप्त करने का मार्ग है। विजय होनेका हमारे लिये निष्ठा पूर्वक करने वाला यह काम है ।(pm india.gov.on --speeches)

16. केंद्र सरकार ने कोविड-19 के लिए बनाई विशेष टीम 21 अप्रैल 2020

केन्द्र सरकार ने सोमवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में कोविड-19 की स्थिति का आकलन करने के लिए छह अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों (आईएमसीटी) का गठन किया तथा कैबिनेट ने "भारत कोविड-19 आपात प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज" के लिए 15,000 करोड़ रुपये को स्वीकृति दी 22 अप्रैल 2020 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने "भारत कोविड-19 आपात प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज" के लिए 15,000 करोड़ रुपये के निवेश को स्वीकृति दे दी है।(pm india.gov.on --speeches)

17. प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात 2.0' की 11वीं कड़ी में प्रधानमंत्री के सम्बोधन 26 अप्रैल 2020

भारत की कोरोना के खिलाफ़ लड़ाई सही मायने में लोगों के एकजुटता से जितनी है। भारत में कोरोना के खिलाफ़ लड़ाई जनता लड़ रही है, आप लड़ रहे हैं, जनता के साथ मिलकर शासन, प्रशासन लड़ रहा है। भारत जैसा विशाल देश, जो विकास के लिए प्रयत्नशील है, ग़रीबी से निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। उसके पास, कोरोना से लड़ने और जीतने का यही एक तरीका है। और, हम भाग्यशाली हैं कि, आज, पूरा देश, देश का हर नागरिक, जन-जन, इस लड़ाई का सिपाही है, लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। आप कहीं भी नज़र डालिये, आपको एहसास हो जायेगा कि भारत की लड़ाई पीपल ड्रिवेन है। जब पूरा विश्व इस महामारी के संकट से जूझ रहा है। भविष्य में जब इसकी चर्चा होगी, उसके तौर-तरीकों की चर्चा होगी, मुझे विश्वास है कि भारत की यह पीपल ड्रिवेन लड़ाई, इसकी ज़रुर चर्चा होगी। पूरे देश में, गली-मोहल्लों में, जगह-जगह पर, आज लोग एक-दूसरे की सहायता के लिए आगे आये हैं। ग़रीबों के लिए खाने से लेकर, राशन की व्यवस्था हो, लॉकडाउन का पालन हो, अस्पतालों की व्यवस्था हो, मेडिकल मशीनें का देश में ही निर्माण हो – आज पूरा देश, एक लक्ष्य, एक दिशा, साथ-साथ चल रहा है। ताली, थाली, दीया, मोमबत्ती, इन सारी चीज़ों ने जो भावनाओं को जन्म दिया। जिस ज़ज्बे से देशवासियों ने, कुछ-न-कुछ करने की ठान ली – हर किसी को इन बातों ने प्रेरित किया है। शहर हो या गाँव, ऐसा लग रहा है, जैसे देश में एक बहुत बड़ा महायज्ञ चल रहा है, जिसमें, हर कोई अपना योगदान देने के लिये आतुर है। हमारे किसान भाई-बहनों को ही देखिये – एक तरफ, वो, इस महामारी के बीच अपने खेतों में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और इस बात की भी चिंता कर रहे हैं कि देश में कोई भी भूखा ना सोये। हर कोई, अपने सामर्थ्य के हिसाब से, इस लड़ाई को लड़ रहा है। कोई किराया माफ़ कर रहा है, तो कोई अपनी पूरी पेंशन या पुरस्कार में मिली राशि को, पीएम केअर में जमा करा रहा है। कोई खेत की सारी सब्जियाँ दान दे रहा है, तो कोई, हर रोज़ सैकड़ों ग़रीबों को मुफ़्त भोजन करा रहा है। कोई मास्क बना रहा है, कहीं हमारे मजदूर भाई-बहन सुरक्षित जगह में रहते हुए, जिस स्कूल में रह रहे हैं, उसकी रंगाई-पुताई कर रहे हैं।(pm india.gov.on --speeches)

18. प्रधानमंत्री मोदी जी की राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ चौथी वार्तालाप तथा मीटिंग 27 अप्रैल 2020

महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात की। बैठक में उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। बैठक में कुछ राज्यों ने प्रधानमंत्री से लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाने के लिए कहा है। 22 मार्च को देश में लागू लॉकडाउन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज चौथी बार सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बात की। जिसमें महामारी की स्थिति और महामारी रोकने के लिए केंद्र और राज्यों द्वारा उठाए गए कदम पर चर्चा की। इस वर्चुअल बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने कहा, 'राज्य के आर्थिक पुनरुद्धार के लिए मंत्रियों और विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया है कि मनरेगा मजदूरी रोजगार की वर्तमान अवधि को 100 दिनों से बढ़ाकर 150 दिन कर दिया जाए।'

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री मोदी को तीन मई के बाद भी लॉकडाउन बढ़ाने का सुझाव दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से पर्याप्त संख्या में वेंटिलेटर की मांग की। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों की सराहना की। बैठक में शामिल होने वाले मुख्यमंत्रियों में अरविंद केजरीवाल (दिल्ली), उद्धव ठाकरे (महाराष्ट्र), ईके पलानीस्वामी (तमिलनाडु), कोनराड संगमा (मेघालय) त्रिवेंद्र सिंह रावत (उत्तराखंड) और योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश) शामिल थे। बैठक में प्रधानमंत्री सफेद और हरे रंग के बॉर्डर वाले गमछे से अपना मुंह ढंके हुए दिखे। मेघालय, मिजोरम, पुडुचेरी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, बिहार, गुजरात और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों को बैठक में बोलने का मौका मिला। वहीं अन्य मुख्यमंत्रियों से अपने सुझाव लिखित में देने के लिए कहा गया है।

19. कोरोना के बीच देश में निवेश बढ़ाने के लिए PM मोदी ने तैयार की रणनीति, सीतारमण और पीयूष गोयल भी रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार (30 अप्रैल) को कोरोना वायरस महामारी के बीच अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये स्थानीय निवेश बढ़ाने के साथ साथ अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि बैठक में देश में तेज रफ्तार से निवेश लाने और भारतीय घरेलू क्षेत्र को बढ़ावा देने की विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा हुई। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत अन्य लोग शामिल हुए। बयान में बताया गया कि निवेश आकर्षित करने के मामले में अधिक तत्परता दिखाने और अपनी अपनी रणनीतियां बनाने के लिये राज्यों का मागदर्शन करने पर भी बैठक में चर्चा की गई। इस दौरान यह भी चर्चा की गयी कि विभिन्न मंत्रालयों द्वारा सुधारों को लागू करने की पहल को निरंतर जारी रखा जाना चाहिये। इसके साथ ही निवेश एवं औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के मार्ग में मौजूद किसी भी बाधा को दूर करने के लिए समयबद्ध तरीके से ठोस कदम उठाये जाने चाहिए। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि देश में मौजूदा औद्योगिक भूमि, भूखंडों, परिसरों आदि में पहले से परखे क्षेत्रों की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक योजना विकसित की जानी चाहिए और इन्हें जरूरी वित्तीय समर्थन भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मोदी ने बैठक के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेशकों को बनाए रखने, उनकी समस्याओं को देखने तथा उन्हें समयबद्ध तरीके से सभी आवश्यक केंद्रीय और राज्य मंजूरियां प्राप्त करने में मदद करने के हर संभव कदम सक्रियता से उठाये जाने चाहिए। मोदी ने बाद में एक ट्वीट के माध्यम से बताया कि बैठक में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के निवेश बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गयी। (Hindustan. com 30 अप्रैल 2020)

20. कोरोनाकाल में भी विकास कार्यों को जारी रखने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 मई 2020 को 4 अहम मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा

रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अफसरों और मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठक कीं। मोदी ने रक्षा मंत्रालय की बैठक में कहा कि देश में

ही आधुनिक रक्षा उपकरणों को तैयार करने पर काम करना चाहिए। वहीं, लॉकडाउन के इस समय शिक्षा व्यवस्था न रुके इसके लिए ऑनलनाइन एजुकेशनको बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंनेइसमें टीवी और रेडियो को भी भागीदार बनाने के लिए कहा है।

तकनीकी संस्थानों की मदद लें, डिफेंस के उपकरण देश में तैयार करें

मोदी ने कहा कि देश में ही सभी तरह के रक्षा उपकरणों को तैयार करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए डिजाइन तैयार करने, उन्हें विकसित करने और उनका निर्माण करने के लिए आयात पर निर्भरता कम करनी चाहिए। इसमें 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और घरेलू क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए। इसमें तकनीकी शिक्षण संस्थानों की मदद भी ली जाए। बैठक में आयुध कारखानों की कार्यप्रणाली में सुधार, रिसर्च पर फोकस करने पर भी चर्चा हुई। रक्षा और एयरस्पेस के क्षेत्रमें भारत को टॉप-10 देशों की सूची में शामिल करने के उद्देश्य के साथ काम किया जाना चाहिए।

बिजली के उत्पादन के क्षेत्र में कमी न आए

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा मंत्रालय के अफसरों संग बैठक में बिजली उत्पादन पर जोर दिया। अधिकारियों से कहा कि वे सभी उपभोक्ताओं को बिजली की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करने का काम करें। ऊर्जा के क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। पीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक बैठक के दौरान बिजली वितरण कंपनियों की स्थिति में सुधार के उपायों पर भी चर्चा की गई।

--कम समय में उड़ान की दिशा में काम हो

उड्डयन मंत्रालय की बैठक लेते हुए मोदी ने कहा कि कम समय में उड़ान की दिशा में काम करना होगा। हवाईअड्डोंको बेहतर बनाने और अधिक राजस्व के लिए प्रोजेक्ट तैयार करना चाहिए। उन्होंने इसके लिए मंत्रालय को तीन महीनों के भीतर टेंडर प्रक्रिया शुरू करके पीपीपी आधार पर 6 और हवाईअड्डों को सौंपने के लिए कहा।

ऑनलाइन एजुकेशनको बढ़ाने पर जोर

शिक्षा मंत्रालय की समीक्षा करते हुए मोदी ने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर दिया। कहा कि देशभर में लॉकडाउन के चलते छात्रों की पढ़ाई नहीं रूकनी चाहिए। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों, स्कूलों को ऑनलाइन शिक्षा की ओर बढ़ाना चाहिए। इसमें टीवी, रेडियो की मदद ली जानी चाहिए। ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल को मजबूत बनाया जाए।(दैनिक भास्कर 2 मई 2020)

21. रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन के आधार पर मिलेगी छूट 4 मई 2020—

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया जिसमें संक्रमण के आधार पर बांटे गए रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन के आधार पर विशेष गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति दी गई है। देशभर में जोन के आधार पर निर्धारित छूट और प्रतिबंध इस प्रकार हैं:---इन कामों पर पूरे देश में रहेगा प्रतिबंध हवाई, रेल, मेट्रो और सड़क द्वारा अंतरराज्यीय आवाजाही के लिए यात्रा, विद्यालय, महाविद्यालय और अन्य शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण/ कोचिंग संस्थानों के लिए जाना, होटल रेस्तरां सहित अतिथ्य सत्कार सेवाएं। सिनेमाघरों, मॉल, जिम, खेल परिसरों आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और अन्य प्रकार की सभाएं और धार्मिक स्थलों पर लोगों के लिए पूजा का आयोजन। इसके साथ ही सभी गैर आवश्यक गतिविधियों के लिए लोगों की आवाजाही पर शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक सख्ती से प्रतिबंध जारी रहेगा। सभी जोन में 65 वर्ष से ज्यादा उम्र के व्यक्तियों, बीमार लोगों, गर्भवती महिलाओं और 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आवश्यक जरूरतों और स्वास्थ्य उद्देश्यों को छोड़कर घर पर ही रहना होगा।

इन गतिविधियों की होगी अनुमति, चुनिंदा उद्देश्यों और गृह मंत्रालय द्वारा स्वीकृत उद्देश्यों के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग द्वारा लोगों की आवाजाही। रेड, ऑरेंज, ग्रीन जोन में बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) और मेडिकल क्लीनिकों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों के पालन और अन्य सुरक्षा सावधानियों के साथ परिचालन की अनुमति होगी, हालांकि कंटेनमेंट जोन में इसकी अनुमति नहीं होगी।

सामान की आवाजाही की अनुमति होगी और कोई भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश द्वारा संधि के तहत पड़ोसी देश सड़क मार्ग से जा रहे सामान की आवाजाही नहीं रोकेगा। फिलहाल देश के 733 जिलों में से 130 जिले रेड जोन, 284 जिले येलो जोन तथा 319 ग्रीन जोन में हैं (प्रेस रिलीज, गृह मंत्रालय भारत सरकार)

मोदी सरकार की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर देश की रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने दैनिक जागरण के लेख में कहा कि करोना वायरस से उपजी महामारी को और अधिक फैलने से रोकने की अप्रत्याशित चुनौती का सामना करते हुए देश ने अद्भुत एकजुटता एवं सयम का परिचय दिया है। जब पहली बार लॉकडाउन किया गया था तो यह इस देश में असंभव सा विचार प्रतीत हो रहा था,पर अब लोग स्वयं के साथ अपने साथी नागरिकों को भी कोरोना वायरस से बचने के अपने संकल्प में दृढ़प्रतिज्ञ हो गए हैं। देश वासियों ने इस महामारी के खिलाफ जैसे एकजुटता दिखाई यह भी विश्व इतिहास में अ अभूतपूर्व है। आने वाली पीढ़ियों को आश्चर्य होगा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में आखिरकार कैसे संभव हो पाया? यह सब देश में असाधारण नेतृत्व की बदौलत ही संभव हो पाया है। मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील का भूतपूर्व असर भी गौर करने लायक है सबसे पहले डॉक्टरों और आवश्यक सेवा से जुड़े अन्य कर्मियों के प्रति कृतज्ञ प्रकट करने के लिए थाली बजाना और फिर देशवासियों की एकजुटता के प्रतीक के रूप में दिए जलाना को उनके अपील का आकलन इस आयोजन से हासिल बेहतरीन परिणामों के संदर्भ में किया जाना चाहिए।(राजनाथ सिंह लेख 18 अप्रैल दैनिक जागरण)

"सही समय पर सही कदम उठाने का एक लाभ यह भी हुआ कि भारत ने कोविड के इलाज के अनुकूल अपने चिकित्सा संसाधनों को चिह्नित कर लिया. यही कारण है कि भारत में कोविड मृत्यु दर 4 फीसद के आसपास है, जबकि रिकवरी का अनुपात 25 फीसद से अधिक है. यह अनुपात गत 10 अप्रैल के बाद से लगतार बढ़ा है। अब जब 17 मई तक के लिए लॉकडाउन 3.0 घोषित हो गया है तो भावी स्थिति का आकलन किया जाना स्वाभाविक है. कोविड प्रभाव के आधार पर देश के क्षेत्रों को जोन में विभाजित करने का एक लाभ यह नजर आता है कि सरकार कोरोना के खिलाफ लड़ाई और जनजीवन की सहूलियत, दोनों पर ध्यान दे सकेगी. सरकार के सामने देश की स्थिति की स्पष्ट तस्वीरें होगी. एक तस्वीर वह, जहां उसे कोरोना मुक्ति को प्राथमिकता देनी है तथा दूसरी तस्वीर वो जहां जनसहूलियत के अन्य विषयों को पटरी पर लाने के लिए ध्यान देना होगा. ऐसे में देश के ग्रीन जोन वाले 319 जिलों में उपलब्ध प्रशासनिक व सामजिक संसाधनों का उपयोग करके धीरे-धीरे स्थिति को सामान्य करने के प्रयास जल्दी शुरू किये जा सकते हैं. साथ ही रेड जोन वाले क्षेत्रों में प्रशासनिक व सामजिक संसाधनों का उपयोग वायरस से मुक्ति की दिशा में और अधिक तीव्रता से संभव हो सकेगा. कहना गलत नहीं होगा कि मोदी सरकार ने राज्यों से संवाद करते हुए स्पष्ट दृष्टि के साथ इस स्थिति से निपटने की नीति तैयार की है"। (The Print आर्टिक्ल 3 मई 2020)

कोरोना की निर्णायक लड़ाई में प्रधानमंत्री के द्वारा मार्च के बाद लगातार रणनीतियां,कार्यक्रम तथा राज्य सरकार के तालमेल बनाने का कार्य हर स्तर पर किया गया है। दुनिया के सभी देशों में से कोरोना से लड़ने के संदर्भ में भारत इस समय सबसे अच्छी स्थिति में चल रही है। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा विदेशी संबंधों तथा विदेशी राष्ट्र अध्यक्षों के साथ भी कोरोना की लड़ाई में आपसी तालमेल का अच्छा प्रदर्शन किया है । विपक्ष लगातार कई मामलों पर सरकार के फैसलों पर प्रश्नचिन्ह लगाता रहा है कई तरह सवाल करता रहा है लेकिन तथ्य, आंकड़ों तथा वर्तमान कोरोना कि भारत की परिस्थितियों को देखते

हुए आम भारत के लोग यह कहे रहे हैं कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदी के निर्णय सही समय पर लिए गए साबित हो रहे हैं। मोदी लगातार अपने इंटरव्यू में काफी बार कहते रहे हैं कि विरोधी तथा विपक्षी दल उनको समझने मे चूक कर जाते हैं। मार्च से अप्रैल तक 2 महीने में सरकार के लिए गए फैसलों तथा विपक्ष के उठाए गए सवालों को देख कर लग रहा है कि विपक्ष दोबारा से बड़ी चूक मोदी को समझने में कर रहा है। इस समय सरकार देश के प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा दिलाने में काफी हद तक कामयाब हुई है कि सरकार कोरोना की लड़ाई लड़ने में व्यवहारिक फैसले कर रही है।

सदंर्भ सूची

1. pm india.gov.on --speeches मार्च-अप्रैल
2. दैनिक जागरण 18 अप्रैल लेख
3. The Print ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टेल
4. The time of india
5. The Hindu
6. Hindustan.com ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल, 30 अप्रैल 2020
7. हिन्दुस्तान न्यूज़ पेपर
8. NDTV Hindi
9. दैनिक भास्कर 2 मई 2020
10. The Print, विपक्ष कुछ भी दलील दे, कोविड के खिलाफ लड़ाई में आंकड़े मोदी सरकार की सफलता की ओर ही इशारा करते हशिवानंद द्विवेदी, 3 May, 2020 9:00 am, लेखक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन में सीनियर रिसर्च फेलो है।
11. प्रेस रिलीज गृह मंत्रालय भारत सरकार मई 2020।